राज्यों में खनिजों का दोहन

3933. **श्री राम नरेश यादव:** क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में दोहन किये गए खनिजों का ब्यौरा क्या है और इस अवधि के दौरान कुल कितनी कीमत के खनिजों का दोहन किया गया;

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान तीनों राज्यों द्वारा कितने-कितने मूल्य के खनिजों का वर्ष-वार निर्यात किया गया; और

(ग) उक्त राज्यों द्वारा इस निर्यात से कितना-कितना लाभ अर्जित किया गया?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव): (क) बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों में वर्ष 1990-91 और 1991-92 के दौरान खनिजों के विदोहन की स्थिति इस प्रकार है:—

बिहार: 1990-91 और 1991-92 के दौरान बिहार में निकाले गए खनिजों में कोयला, बाक्साइट, तांबा अयस्क, लौह अयस्क, मैगनीज अयस्क, डोलोमाइट, केल्सपार, फायरक्ले, ग्रेफाइट, काओलिन, कायनाइट, चूना पत्थर, अभ्रक, ओकर, पायराइट, क्वार्टज, क्वार्टजाइट; सिलिका बालू और स्टीटाइट शामिल हैं। 1990-91 और 1991-92 के दौरान बिहार में उत्पादित खनिजों का मूल्य क्रमशः 2198 करोड़ रु० और 2354 करोड़ रु० रहा है।

मध्य प्रदेश: 1990-91 और 1991-92 के दौरान मध्य प्रदेश में निकाले गए खनिजों में कोयला, बाक्साइट, तांबा अयस्क, लौह अयस्क, मैगनीज अयस्क, टिन, फास्फोराइट, बैराइट कैल्साइट क्ले, कोरंडम, हीरा, डायस्पोर, डोलोमाइट, फेल्सापार, फायरक्ले, काओलिन, चूना पत्थर, ओकर, पायरोफ्लाइट क्वार्टजाइट, सिलिका बालू स्लेट, स्टीटाइट और लेटराइट शामिल हैं। 1990-91 और 1991-92 के दौरान मध्य प्रदेश में उत्पादित खनिजों का मूल्य क्रमशः 2050 करोड़ रु० और 2296 करोड़ रु० रहा है।

उत्तर प्रदेश: 1990-91 और 1991-92 के दौरान उत्तर प्रदेश में निकाले गए खनिजों में कोयला, फास्फोराइट, डायस्पोर, डोलोमाइट, जिप्सम, चूना पत्थर, मैग्नेसाइट, पाइरोफ्लाइट, सिलिका बालू और स्टीटाइट शामिल हैं। 1990-91 और 1991-92 के दौरान उत्तर प्रदेश में उत्पादित खनिजों का मूल्य क्रमशः 231 करोड़ रु० और 303 करोड़ रु० रहा है।

(ख) और (ग) निर्यात आंकड़े पूरे देश के लिए और राज्य-वार नहीं रखे जाते हैं। 1990-91 और 1991-92 के दौरान देश खनिजों और अयस्कों के समग्र निर्यातों का अनुमानित मूल्य क्रमश 1739.71 करोड़ रु० और 2281.08 करोड़ रु० है।

हिन्दुस्तान कापर लि० को कच्चे माल की आपूर्ति

3934. **श्री गया सिंह:** क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हिन्दुस्तान कापर लि० को कच्चे माल की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो रही है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस फैक्टरी के समीप दो खानों का विस्तार कार्य रोक दिया गया है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव): (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) हिन्दुस्तान कापर लि० की खेतड़ी (राजस्थान) और घाटशिला (बिहार) में खान भी और स्मैल्टर भी है। हिन्दुस्तान कापर लि० का आठवीं योजना के दौरान धन की उपलब्धता के अनुसार उक्त दोनों स्थानों पर निम्नलिखित परियोजनाएं आरंभ करने का प्रस्ताव है:—

खेतड़ी बनवास खान का 2,000 टन दैनिक अयस्क क्षमता तक विकास।

घाटशिला

1. केन्डाडीह खान का 200 टन दैनिक से 700 टन दैनिक अयस्क तक विस्तार।

2. राखा खान का 1000 टन दैनिक से 2000 टन दैनिक अयस्क तक विस्तार।

3. धोबानी खान (नई खान) 500 टन दैनिक अयस्क क्षमता।

4. चापरी-सिधेश्वरी खान (नई खान तथा सांद्रक संयंत्र)।

Public Sector Plan Outlay for Steel

3935. SHRI DIPEN GHOSH: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether in view of the reduction in the public sector plan outlay for steel from the originally proposed level of Rs. 24,000 crore to Rs. 14,000 crore Government expect the gap to be bridged by the private sector since the industry has been deregulated; and

(b) what is the response from the private sector including foreign companies?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) Increased production in the private sector is expected to help in bridging the demand and supply gap in steel.